हरिभूमि

Date: 03.07.2035

विवि ऑटो अपील सिस्टम पर पंजीकृत : वीसी

जींद। वीसी प्रो. डा. रामपाल सैनी ने कहा कि विवि ने छात्र सेवाओं की पारदर्शिता, समयबद्धता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हरियाणा सरकार के ऑटो अपील सिस्टम पर औपचारिक रूप से पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। इस नई प्रणाली के तहत अब छात्रों को माइग्रेशन सर्टिफिकेट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट सहित अन्य प्रमुख सेवाएं पारदर्शी और निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही छात्रों द्वारा की गई अपीलों का निस्तारण भी स्वतः प्रणाली द्वारा तय समय में किया जाएगा। जिससे प्रक्रियाएं अधिक सरल और उत्तरदायी बनेंगी। वीसी प्रो. डा. रामपाल सैनी ने इस अवसर पर कहा कि डिजिटल इंडिया और ई गवर्नेंस की दिशा में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। ऑटो अपील सिस्टम से छात्र सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध होगी और विश्वविद्यालय प्रशासनिक पारदर्शिता में नया मानदंड स्थापित करेगा। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि यह प्रणाली छात्रों और प्रशासनिक इकाइयों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बनाएगी। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि सभी सेवाएं पेपरलेस, पारदर्शी और समयबद्ध हों। एएएस पोर्टल इसी दिशा में एक ठोस पहल है। परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि विद्यार्थियों से संबंधित कुछ सुविधाएं जारी करने की प्रक्रिया पहले ही ऑनलाइन की जा चुकी है।

पंजाब केसरी

Date: 03.07.2035

सी.आर.एस.यू. हरियाणा सरकार के ऑटो अपील सिस्टम पर पंजीकृत : वी.सी.

समय सीमा के अंदर उपलब्ध होंगी कई सेवाएं

जींद, 2 जुलाई (ललित) : सी.आर.एस.यू. के वी.सी. प्रोफैसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि सी.आर.एस.यू. ने छात्र सेवाओं की पारदर्शिता, समयबद्धता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरियाणा सरकार के ऑटो अपील सिस्टम पर औपचारिक रूप से पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। इस नई प्रणाली के तहत अब छात्रों को माइग्रेशन सर्टीफिकेट, प्रोविजनल सर्टीफिकेट सहित अन्य प्रमुख सेवाएं पारदर्शी और निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही छात्रों द्वारा की गई अपीलों का निस्तारण भी स्वत: प्रणाली द्वारा तय समय में किया जाएगा, जिससे प्रक्रियाएं अधिक सरल और उत्तरदायी बनेंगी।

वी.सी. प्रो. डॉ. रामपाल सैनी।

जींद की सी.आर.एस.यू., जो हरियाणा सरकार के ऑटो अपील सिस्टम पर पंजीकृत हुआ है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नैंस की दिशा में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। ऑटो अपील सिस्टम से छात्र सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध होंगी और विश्वविद्यालय प्रशासनिक पारदर्शिता में नया मानदंड स्थापित करेगा। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि यह प्रणाली छात्रों और प्रशासनिक इकाइयों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बनाएगी। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि सभी सेवाएं पेपरलैस, पारदर्शी और समयबद्ध हों।

ए.ए.एस. पोर्टल इसी दिशा में एक ठोस पहल है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि विद्यार्थियों से संबंधित कुछ सुविधाएं जारी करने की प्रक्रिया पहले ही ऑनलाइन की जा चुकी है। अब इसे सरल पोर्टल और ए.ए.एस. प्रणाली से जोड़ते हुए राइट टू सर्विस एक्ट के तहत और अधिक प्रभावी बना दिया गया है, जिससे छात्रों को घर बैठे सेवाएं मिल सकेंगी।

जागरण

Date: 03.07.2035

सरकार के आटो अपील सिस्टम पर सीआरएसयू पंजीकृत

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने छात्र सेवाओं की पारदर्शिता, समयबद्धता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में पहल करते हुए हरियाणा सरकार के आटो अपील सिस्टम पर औपचारिक रूप से पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। इस नई प्रणाली के तहत अब छात्रों को माइग्रेशन सर्टिफिकेट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट सहित अन्य प्रमुख सेवाएं पारदर्शी और निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध करवाई जाएंगी। साथ ही छात्रों द्वारा की गई अपीलों का निस्तारण भी स्वत: प्रणाली द्वारा तय समय में किया जाएगा, जिससे प्रक्रियाएं अधिक सरल और उत्तरदायी बनेंगी। वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कहा कि डिजिटल इंडिया और ई गवर्नेंस की दिशा में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। आटो अपील सिस्टम से छात्र सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध होंगी और विश्वविद्यालय प्रशासनिक पारदर्शिता में नया मानदंड स्थापित करेगा।

वीसी प्रो. रामपाल सैनी।
• जागरण आर्काइव

रजिस्ट्रार प्रोफेसर लवलीन मोहन ने कहा कि यह प्रणाली छात्रों और प्रशासनिक इकाइयों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बनाएगी। विश्वविद्यालय का प्रयास है, सभी सेवाएं पेपरलेस, पारदर्शी और समयबद्ध हों। एएएस पोर्टल इसी दिशा में एक ठोस पहल है।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 03.07.2035

ऑटो अपील सिस्टम से छात्र सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध होंगी : कुलपति

सरल पोर्टल व एएएस प्रणाली से जोड़कर और अधिक प्रभावी बनाया

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने छात्र सेवाओं की पारदर्शिता, समयबद्धता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरियाणा सरकार के ऑटो अपील सिस्टम पर औपचारिक रूप से पंजीकरण प्राप्त कर लिया है। इस नई प्रणाली के तहत अब छात्रों को माइग्रेशन सर्टिफिक्ट, प्रोविजनल सर्टिफिक्ट सहित अन्य प्रमुख सेवाएं पारदर्शी और निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, छात्रों द्वारा की गई अपीलों का निस्तारण भी स्वतः प्रणाली द्वारा तय समय में किया जाएगा, जिससे प्रक्रियाएं अधिक सरल और उत्तरदायी बनेंगी।

कुलपति प्रो. (डॉ.) रामपाल सैनी ने कहा कि डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। ऑटो अपील सिस्टम से छात्र सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध होंगी और विश्वविद्यालय प्रशासनिक पारदर्शिता में नया मानदंड स्थापित करेगा। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा यह प्रणाली छात्रों और प्रशासनिक इकाइयों के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बनाएगी। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि सभी सेवाएं पेपरलेस, पारदर्शी और समयबद्ध हों। एएएस पोर्टल इसी दिशा में एक ठोस पहल है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश कुमार बंसल ने बताया कि विद्यार्थियों से संबंधित कुछ सुविधाएं जारी करने की प्रक्रिया पहले ही ऑनलाइन की जा चुकी है। अब इसे सरल पोर्टल और एएएस प्रणाली से जोड़ते हुए राइट टू सर्विस एक्ट के तहत और अधिक प्रभावी बना दिया गया है, जिससे छात्रों को घर बैठे सेवाएं मिल सकेंगी।